1. अगस्त 2023 तक, प्रधान मंत्री जन धन योजना (PMJDY) के कार्यान्वयन के कितने वर्ष पूरे हो गए हैं?

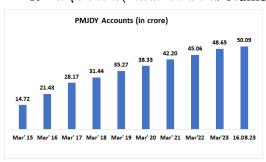
As of August 2023, how many years of implementation have been completed for Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY)?

Ans: नौ /Nine (9)

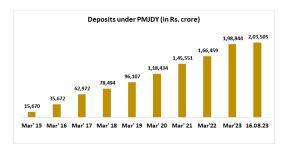
- 28 अगस्त, 2023 को प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) ने सफलतापूर्वक नौ साल पूरे कर लिए।
- प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के बारे में:
- यह योजना 28 अगस्त 2014 को शुरू की गई थी।
- उद्घाटनकर्ता: पीएम नरेंद्र मोदी
- उद्देश्य: वित्तीय समावेशन पहल
- On August 28, 2023, the Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY) successfully completed nine years.
- About Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY):
- This scheme was launched on 28th August 2014.
- Inaugurated by: PM Narendra Modi
- Aim: Financial inclusion initiatives

नौ वर्षों की उपलब्धियाँ: /Nine Years of Achievements:

1. पीएमजेडीवाई खातों की संख्या/ Number of PMJDY Accounts:



2. पीएमजेडीवाई खातों में जमा: /Deposits within PMJDY accounts:



योजना की बुनियादी विशेषताएं /Basic features of the Scheme

- बैंकिंग रहित लोगों को बैंकिंग /Banking the Unbanked
- असुरक्षित को सुरक्षित करना /Securing the Unsecured
- गैर-वित्तपोषित को वित्तपोषित करना /Funding the Unfunded

योजनाओं के छह स्तंभ: /Six pillars of schemes:

- 1. बैंकिंग सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच /Universal Access to Banking Services
- 2. बुनियादी बचत बैंक खाते /Basic Savings Bank Accounts:
 - यह रुपये की ओवरड्राफ्ट सुविधा प्रदान करता है। पात्र वयस्कों के लिए 10,000.
 - O It provides an overdraft facility of Rs. 10,000 for eligible adults.
- 3. वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम/Financial Literacy Programme:
 - इस योजना ने नागरिकों को बचत, एटीएम उपयोग, ऋण तत्परता, बीमा, पेंशन और बुनियादी मोबाइल बैंकिंग के बारे में जागरूक करने में मदद की।
 - O This scheme helped citizens to make them aware of savings, ATM usage, credit readiness, insurance, pensions, and basic mobile banking.
- 4. क्रेडिट गारंटी फंड /Credit Guarantee Fund
- 5. बीमा /Insurance:
 - यह 15 अगस्त 2014 और 31 जनवरी 2015 के बीच खोले गए खातों के लिए 1 लाख रुपये तक का दुर्घटना कवरेज और 30,000 रुपये का जीवन कवर प्रदान करता है।
 - O It provides accident coverage of up to Rs 1 lakh and a life cover of Rs 30,000 for accounts opened between 15 August 2014 and 31st January 2015.
- 6. असंगठित क्षेत्र के लिए पेंशन योजना। /Pension Scheme for the Unorganized Sector
- 2. किस मंत्रालय ने बुनियादी ढांचा विकास योजना एनईएसआईडीएस शुरू की है?

Which ministry has launched the NESIDS, an infrastructure development scheme?

Ans: उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय /Ministry of Development of North Eastern Region

- उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय ने उत्तर पूर्व विशेष बुनियादी ढांचा विकास योजना (एनईएसआईडीएस) शुरू की है।
- इस योजना के लिए भारत सरकार ने 2022-2023 से 2025-2026 की अवधि के लिए 8139.50 करोड़ रुपये के स्वीकृत बजट को मंजूरी दे दी है।
- उद्देश्य: उत्तर पूर्वी राज्यों में बुनियादी ढांचे के विकास (कनेक्टिविटी और सामाजिक क्षेत्र) को बढ़ावा देना
- एनईएसआईडीएस के बारे में: /About NESIDS:
- यह एक नई केंद्रीय क्षेत्र योजना (100% केंद्रीय वित्त पोषण) है।
- मूल रूप से, इसे 15 दिसंबर 2017 को मंजूरी दी गई थी।

- लक्षित लाभार्थी: अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, मेघालय, असम और सिक्किम
- The Ministry of Development of the North Eastern Region has launched the North East Special Infrastructure Development Scheme (NESIDS).
- For this scheme, the government of India has approved the approved budget of Rs 8139.50 crore for the period 2022-2023 to 2025-2026.
- Aim: To boost the infrastructure development (connectivity and social sectors) in the North Eastern States
- It is a new Central Sector Scheme (100% central funding).
- Originally, it was approved on 15th December 2017.
- Target Beneficiaries: Arunachal Pradesh, Nagaland, Manipur, Mizoram, Tripura, Meghalaya, Assam, and Sikkim

3. 15 अगस्त 2023 को पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित विश्वकर्मा योजना के लक्षित लोग कौन हैं? Who are the target people of the Vishwakarma Yojana, announced by PM Narendra Modi on August 15, 2023?

Ans: पारंपरिक शिल्पकार और कारीगर (मुख्य रूप से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय से) / Traditional craftsmans and artisans (mainly from the Other Backward Classes (OBC) community)

- 77वें स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2023) पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्वकर्मा योजना की घोषणा की है.
- उद्देश्य: पारंपिरक शिल्प और कारीगरों में कुशल व्यक्तियों का उत्थान करना, विशेष रूप से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय से
- इस योजना का नाम दिव्य वास्तुकार और शिल्पकार विश्वकर्मा के नाम पर रखा गया था।

• विशेषताएँ / Features:

- नामांकित शिल्पकारों एवं कारीगरों को पीएम विश्वकर्मा प्रमाण पत्र एवं पहचान पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा।
- योग्य उम्मीदवारों को 5% की रियायती ब्याज दर पर ₹1 लाख (पहली किश्त) और ₹2 लाख (दूसरी किश्त) तक की संपार्श्विक-मुक्त क्रेडिट सहायता भी प्राप्त होगी।
- ० बजट सीमा: ₹13,000 करोड़ से ₹15,000 करोड़ लगभग
- कौशल प्रशिक्षण के लिए सरकार ₹500 का वजीफा देती है।
- ० आधुनिक उपकरणों की खरीद के लिए ₹1,500।
- इसमें ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के 18 पारंपरिक व्यापार शामिल हैं।

- On the 77th Independence Day (15 August 2023), Prime Minister Narendra Modi has announced the Vishwakarma Yojana.
- Aim: To uplift individuals skilled in traditional crafts and artisans, particularly from the Other Backward Classes (OBC) community
- The name of the scheme was derived from the divine architect and craftsman Vishwakarma.

• विशेषताएँ / Features:

- Enrolled crafts people and artisans will be honoured with the PM Vishwakarma certificate and an identity card.
- Eligible candidate will also receive a collateral-free credit support of up to ₹1 lakh (first tranche) and ₹2 lakh (second tranche) at a concessional interest rate of 5%.
- O Budget range: ₹13,000 crore to ₹15,000 crore approx
- O Government offers a stipend of ₹500 for skill training.
- \bigcirc ₹1,500 for the purchase of modern tools.
- O It encompasses 18 traditional trades across both rural and urban areas.

4. पीएम मोदी द्वारा घोषित लखपित दीदी योजना के तहत कितनी महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा?

How many women will be trained under the Lakhpati Didi Scheme, announced by PM Modi?

Ans: दो करोड /Two crore

- भारत सरकार ने 15 अगस्त 2023 को पीएम मोदी द्वारा घोषित लखपित दीदी योजना के तहत दो करोड़
 महिलाओं को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा है।
- उद्देश्य: महिला सशक्तिकरण और सामाजिक-आर्थिक प्रगति
- इस योजना के तहत महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा ताकि वे प्रति वर्ष 1 लाख रुपये से अधिक कमा सकें।

• विशेषताएँ: /Features:

- इस योजना के तहत महिला एसएचजी को कृषि गतिविधियों के लिए ड्रोन उपलब्ध कराए जाएंगे।
- लगभग 15,000 महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन के संचालन और मरम्मत का प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- योजना के तहत महिलाओं को एलईडी बल्ब बनाने, प्लंबिंग समेत अन्य कौशल में प्रिशिक्षित किया जाएगा।

- The government of India has set a target to train two crore women under the Lakhpati Didi Scheme, announced by PM Modi on 15th August 2023.
- Aim: Women empowerment and socio-economic progress
- Under this scheme, skill training will be provided to women so that they can earn over Rs 1 lakh per year.

• विशेषताएँ: /Features:

- O Under this scheme, drones will be provided to women SHGs for agricultural activities.
- Around 15,000 women's SHGs will be given training in operating and repairing drones.
- O Under the scheme, women will be trained in skills like LED bulb making, and plumbing, among others.

5. शिक्षा मंत्रालय ने PM-USHA योजना शुरू की है। इस संदर्भ में, PM-USHA का सही रूप क्या है? The Ministry of Education has launched the PM-USHA scheme. In this context, what is the correct form of PM-USHA?

Ans: प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान /Pradhan Mantri Uchchatar Shiksha Abhiyan

- शिक्षा मंत्रालय ने प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-युएसएचए) की शुरुआत की है।
- यह एक केन्द्र प्रायोजित योजना है।
- उद्देश्य: राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में उच्च शिक्षा तक पहुंच, समानता और उत्कृष्टता बढ़ाना
- फंडिंग: कुछ राज्यों के लिए 90:10 का अनुपात और अन्य के लिए 60:40 का अनुपात, जबिक बिना विधानमंडल वाले केंद्रशासित प्रदेशों को 100% केंद्रीय फंडिंग मिलती है
- शिक्षा मंत्रालय ने प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-यूएसएचए) की शुरुआत की है।
- The Ministry of Education has introduced the Pradhan Mantri Uchchatar Shiksha Abhiyan (PM-USHA).
- It is a centrally sponsored scheme.
- Aim: To enhance access, equity, and excellence in higher education across States and Union Territories
- Funding: 90:10 ratio for certain states and 60:40 for others, while UTs without Legislature receive 100% central funding

Background of PM-USHA Scheme					
Aspect	RUSA (Before Renaming)	PM-USHA (After Renaming)			

Name	Rashtriya Uchchatar Shiksha	Pradhan Mantri Uchchatar Shiksha				
	Abhiyan (RUSA)	Abhiyan (PM-USHA)				
Renamed Year	2013	June 2023				
Type	Centrally Sponsored Scheme	Centrally Sponsored Scheme				
Objective	Enhance quality in higher education	Enhance quality in higher education				
	institutions, ensure compliance with	institutions, ensure compliance with				
	norms and accreditation standards,	norms and accreditation standards,				
	foster governance and academic	foster governance and academic				
	reforms, and encourage research	reforms, and encourage research and				
	and innovation.	innovation.				
Focus	Transformation, quality, equity,	Transformation, quality, equity,				
	innovation, research, employability	innovation, research, employability				
Key Features	Strategic funding for higher	Rs 100 crore support to each of 35				
	education institutions	state universities for multidisciplinary				
	Promoting multidisciplinary	education and research (MERU				
	education and research	Transformation				
	Establishing Model Degree	Establishment of Model Degree				
	Colleges	Colleges				
	Strengthening universities through	Grants for strengthening universities				
	grants	Focus on remote, LWE-affected,				
	Targeting remote, LWE-affected,	Aspirational, and low Gross				
	aspirational, and low Gross	Enrolment Ratio regions				
	Enrolment Ratio regions	Aid to state governments for gender				
		inclusion, equity, and ICT-based				
	and ICT-based employability skills	employability skills.				
Purpose	Strategic funding for higher	Strategic funding for higher education				
_	education institutions nationwide	institutions nationwide				
	N/A	In alignment with the National				
129		Education Policy				
Primary	Higher education institutions	Higher education institutions				
Beneficiaries		8 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10				
Funding Source	Central and State Governments	Central and State Governments				
_	Launched in October 2013	Continuation from RUSA, renamed in				
Period		June 2023				

Significance	Laid the foundation for enhancing			Continued efforts to transform higher					
	higher	education	quality	and	education,	in	line	with	NEP,
	accessibility			promoting	quality,		equity,	and	
					innovation				

6. किस मंत्रालय ने 'नया सवेरा' लॉन्च किया है, जिसे फ्री कोचिंग एंड अलाइड के नाम से भी जाना जाता है?

Which ministry has launched 'Naya Savera', also known as Free Coaching and Allied? Ans: अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय /Ministry of Minority Affairs

- अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने 'नया सवेरा' योजना लागू की है, जिसे 'निःशुल्क कोचिंग एवं संबद्ध' योजना के नाम से भी जाना जाता है।
- उद्देश्य: छह अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों (सिख, जैन, मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध और पारसी) से संबंधित छात्रों/उम्मीदवारों की सहायता करना।
- इस योजना के तहत, सरकार केंद्र और राज्य सरकारों के तहत समूह Á, 'बी', और 'सी' सेवाओं और अन्य समकक्ष पदों पर भर्ती के लिए तकनीकी/व्यावसायिक पाठ्यक्रमों और प्रतिस्पर्धी परीक्षा में प्रवेश के लिए योग्यता परीक्षाओं के लिए विशेष कोचिंग प्रदान करेगी।
- योजना के तहत कोचिंग की अवधि 3 महीने से 2 साल तक थी।
- अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री: स्मृति जुबिन ईरानी
- The Ministry of Minority Affairs has implemented 'Naya Savera' scheme, which is also known as 'Free Coaching and Allied' scheme.
- Aim: To assist students/candidates belonging to the six notified minority communities (Sikh, Jain, Muslim, Christian, Buddhist, and Parsi)
- Under this scheme, the government will provide special coaching for qualifying examinations for admission in technical/professional courses and competitive examination for recruitment to Group Á, 'B', & 'C' services and other equivalent posts under the Central and State Governments.
- The coaching period under the scheme ranged from 3 months to 2 years.
- Minister of Minority Affairs: Smriti Zubin Irani

7. किस मंत्रालय ने लंबे समय से चले आ रहे संविदात्मक विवादों को निपटाने के लिए विवाद से विश्वास 2.0 लॉन्च किया है?

Which ministry has launched 'Vivad se Vishwas 2.0' to settle long-standing contractual disputes?

Ans: व्यय विभाग (वित्त मंत्रालय) / Department of Expenditure (Ministry of Finance)

- वित्त मंत्रालय के तहत व्यय विभाग ने विवाद से विश्वास 2.0 लॉन्च किया है।
- इस योजना को संविदात्मक विवाद योजना के रूप में भी जाना जाता है।
- उद्देश्य: सरकार और सरकारी उपक्रमों से जुड़े लंबे समय से चले आ रहे संविदा संबंधी विवादों का निपटारा करना।
- इस पहल की घोषणा केंद्रीय बजट 2023-24 के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा की गई थी।
- इस योजना का उद्देश्य संविदात्मक विवादों को हल करने के लिए एक प्रभावी और मानकीकृत तंत्र प्रदान करना है, जिससे कानूनी प्रणाली पर बोझ कम हो और अधिक व्यापार-अनुकूल वातावरण को बढ़ावा मिले।
- विवाद से विश्वास II: निपटान राशि / Vivad se Vishwas II: Settlement Amounts
- 30 अप्रैल 2023 को या उससे पहले पारित किए गए न्यायालय पुरस्कारों के लिए, ठेकेदार को दी जाने वाली निपटान राशि अदालत द्वारा प्रदान की गई या बरकरार रखी गई शुद्ध राशि के 85% तक हो सकती है।
- इसी प्रकार, 31 जनवरी 2023 को या उससे पहले पारित मध्यस्थता पुरस्कारों के लिए, प्रस्तावित निपटान राशि प्रदान की गई शुद्ध राशि का 65% तक हो सकती है।
- The Department of Expenditure under the Ministry of Finance has launched Vivad se Vishwas 2.0.
- This scheme is also known as the Contractual Disputes scheme.
- Aim: To settle long-standing contractual disputes involving the government and government undertakings
- This initiative was announced during the Union Budget 2023-24 by the Union Finance Minister, Nirmala Sitharaman.
- The scheme aims to provide an effective and standardized mechanism for resolving contractual disputes, thereby reducing the burden on the legal system and fostering a more business-friendly environment.
- विवाद से विश्वास II: निपटान राशि / Vivad se Vishwas II: Settlement Amounts
- For Court Awards passed on or before 30th April 2023, the settlement amount offered to the Contractor can go up to 85% of the net amount awarded or upheld by the court.
- Similarly, for Arbitral Awards passed on or before 31st January 2023, the settlement amount offered can be up to 65% of the net amount awarded.

8. PM MUDRA योजना के संदर्भ में, मुद्रा का सही रूप क्या है? In the context of PM-MUDRA Yojana, what is the correct form of MUDRA? Ans: सूक्ष्म इकाई विकास एवं पुनर्वित्त एजेंसी /Micro Units Development & Refinance Agency

- ख़बरों में: वित्त वर्ष 2022-23 में, पीएम मुद्रा योजना ने 6.23 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।
- पीएम-मुद्रा का तात्पर्य प्रधानमंत्री माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट एंड रिफाइनेंस एजेंसी लिमिटेड से है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के बारे में:

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) 8 अप्रैल, 2015 को प्रधान मंत्री द्वारा शुरू की गई एक योजना है।

- उद्देश्य: गैर-कॉर्पोरेट, गैर-कृषि लघ्/सूक्ष्म उद्यमों को 10 लाख तक का ऋण प्रदान करना
- इन ऋणों को पीएमएमवाई के तहत मुद्रा ऋण के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- ये ऋण वाणिज्यिक बैंकों, आरआरबी, लघु वित्त बैंकों, एमएफआई और एनबीएफसी द्वारा दिए जाते हैं।
- पीएमएमवाई के तत्वावधान में, मुद्रा ने 'शिश्', 'किशोर' और 'तरुण' नाम से तीन उत्पाद बनाए हैं।
- In FY 2022-23, the PM MUDRA Yojana has achieved a significant milestone by sanctioning over 6.23 crore loans.
- PM-MUDRA refers to Pradhan Mantri Micro Units Development & Refinance Agency Ltd.

About Pradhan Mantri MUDRA Yojana:

- Padhan Mantri MUDRA Yojana (PMMY) is a scheme launched by Prime Minister on April 8, 2015.
- Aim: For providing loans up to 10 lakh to the non-corporate, non-farm small/micro enterprises
- These loans are classified as MUDRA loans under PMMY.
- These loans are given by Commercial Banks, RRBs, Small Finance Banks, MFIs and NBFCs.
- Under the aegis of PMMY, MUDRA has created three products namely 'Shishu', 'Kishore' and 'Tarun'.



9. भारत सरकार ने अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना को _____ तक बढ़ा दिया है।
The government of India has extended the 'Atal Beemit Vyakti Kalyan Yojana' till
_____.
Ans: June 30, 2024

- भारत सरकार ने अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना की अवधि को अतिरिक्त दो वर्षों के लिए 30 जून, 2024 तक बढाने का निर्णय लिया है।
- यह कर्मचारी राज्य बीमा निगम के तहत एक बेरोजगारी योजना है।
- यह योजना का तीसरा विस्तार है, पिछले विस्तार 2020 और 2021 दोनों में दिए गए थे।
- उद्देश्य: ईएसआईसी लाभार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना जारी रखना, जिन्हें महामारी के दौरान नौकरी छूट गई थी।

अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना / Atal Beemit Vyakti Kalyan Yojana:

- इसे 2018 में लॉन्च किया गया था।
- यह योजना ईएसआई अधिनियम, 1948 की धारा 2(9) के तहत आने वाले कर्मचारियों के लिए एक कल्याणकारी पहल के रूप में कार्य करती है।
- यह उन्हें बेरोजगारी की स्थिति में 90 दिनों तक की अविध के लिए राहत भुगतान प्रदान करता है, लेकिन एकमुश्त लाभ तक सीमित है
- The government of India has decided to extend the duration of the Atal Beemit Vyakti Kalyan Yojana for an additional two years until June 30, 2024.
- It is an unemployment scheme under the Employees' State Insurance Corporation.
- This marks the scheme's third extension, with previous extensions granted in both 2020 and 2021.
- Aim: To continue providing financial support to ESIC beneficiaries who faced job losses during the pandemic.

Atal Beemit Vyakti Kalyan Yojana:

- It was launched in 2018.
- This scheme serves as a welfare initiative for employees falling under Section 2(9) of the ESI Act, 1948.
- It offers them relief payments for a period of up to 90 days in the event of unemployment, but limited to a one-time benefit

10. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY) किस वर्ष शुरू की गई थी? The Pradhan Mantri Krishi Sinchayee Yojana (PMKSY) was introduced in which year?

Ans: 2015

- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) 1 जुलाई 2015 को शुरू की गई थी।
- Pradhan Mantri Krishi Sinchayee Yojana (PMKSY) was introduced on July 1st, 2015.
- उद्देश्य: कृषि भूमि पर पानी की उपलब्धता बढ़ाना, खेती योग्य क्षेत्रों का विस्तार करना
- Aim: To enhance water availability on farmlands, expanding cultivable areas

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) के घटक:

Components of Pradhan Mantri Krishi Sinchayee Yojana (PMKSY):

पीएमकेएसवाई में विभिन्न मंत्रालयों द्वारा कार्यान्वित 4 प्रमुख घटक शामिल हैं।

PMKSY consists of 4 major components implemented by various ministries.

- 1. त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (एआईबीपी) /Accelerated Irrigation Benefits Programme (AIBP) (implemented by जल शक्ति मंत्रालय/ Ministry of Jal Shakti)
- 2. हर खेत को पानी (HKKP)/ Har Khet Ko Pani (HKKP) implemented by जल शक्ति मंत्रालय/ Ministry of Jal Shakti)

HKKP में चार उप-घटक होते हैं: /HKKP consists of four sub-components:

- I. कमान क्षेत्र विकास (सीएडी) /Command Area Development (CAD)
- II. सतही लघु सिंचाई (एसएमआई) मरम्मत /Surface Minor Irrigation (SMI) Repair
- III. जल निकायों का नवीनीकरण और पुनर्स्थापन (आरआरआर) /Renovation, and Restoration (RRR) of Water Bodies
- IV. भूजल विकास /Groundwater Development
- 3. जलसंभर विकास घटक (डब्ल्यूडीसी) / Watershed Development component (WDC) (launched by The Department of Land Resources, Ministry of Rural Development, handles the/ भूमि संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय संभालता है)
- 4. "प्रति बूंद अधिक फसल (पीडीएमसी)" घटका / "Per Drop More Crop (PDMC)" component.

(launched by The Department of Agriculture and Farmers Welfare manages the/ कृषि एवं किसान कल्याण विभाग)

11. पीएम मोदी ने राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन शुरू किया है, जिसका उद्देश्य _____ तक एनीमिया को खत्म करना है।

PM Modi has launched the National Sickle Cell Anaemia Elimination Mission, which aims to eliminate the Anemia by _____.

Ans: 2047

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के शहडोल में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन 2047 का उद्घाटन किया है।
- उद्देश्य: विशेष रूप से भारत में आदिवासी आबादी के बीच सिकल सेल रोग से उत्पन्न चुनौतियों से निपटना
- उन्होंने एक पोर्टल का भी अनावरण किया और विभिन्न निगरानी मॉड्यूल के साथ रोग प्रबंधन के लिए दिशानिर्देश जारी किए।

Points to remember:

- जनगणना 2011 के अनुसार एमपी पूर्ण संख्या के मामले में सबसे अधिक आदिवासी आबादी वाला राज्य है और यहां सिकल सेल एनीमिया का बोझ भी सबसे अधिक है।
- सिकल सेल रोग जनजातीय स्वास्थ्य की 10 विशेष समस्याओं में से एक है

What is Sickle cell disease?

- यह एक आनुवंशिक रक्त रोग है जो प्रभावित रोगी के पुरे जीवन को प्रभावित करता है।
- यह भारत की जनजातीय आबादी में अधिक आम है लेकिन गैर-आदिवासियों में भी होता है।
- Prime Minister Narendra Modi has inaugurated the National Sickle Cell Anemia Eradication Mission 2047 in Shahdol, Madhya Pradesh.
- Aim: To tackle the challenges posed by sickle cell disease, particularly among the tribal population in India
- He also unveiled a portal and released guidelines for disease management, along with different monitoring modules.

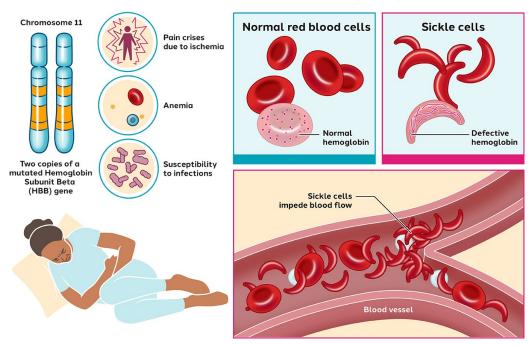
Points to remember:

- O MP is a state with the highest tribal population in terms of absolute numbers as per Census 2011 and also has the highest burden of sickle cell anaemia.
- O Sickle cell disease is one of the 10 special problems in tribal health

What is Sickle cell disease?

- O It is a genetic blood disease which affects the whole life of an affected patient.
- O It is more common in the tribal population of India but occurs in non-tribals too.

What is Sickle Cell Disease (SCD)?



12. पीएम डिवाइन योजना के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

Which of the following statements is/ are correct about the PM DevINE scheme?

- 1. पीएम डिवाइन उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लिए प्रधान मंत्री की विकास पहल (पीएम-डेवाइन) को संदर्भित करता है। / PM DevINE refers to the Prime Minister's Development Initiative for the North Eastern Region (PM-DevINE).
- 2. इसे उत्तर-पूर्व क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा लागू किया जाएगा। / It will be implemented by the Ministry of Development of North-East Region.

Ans: दोनों कथन सही हैं/ Both statements are correct

- केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय ने उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लिए प्रधानमंत्री की विकास पहल (पीएम-डेवाइन) पर हालिया अपडेट प्रदान किया।
- केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में पीएम-डिवाइन योजना को केंद्रीय बजट 2022-23 के एक हिस्से के रूप में पेश किया गया था।
- कैबिनेट ने 12 अक्टूबर 2022 को PM-DevINE योजना को मंजूरी दे दी।
- इसे 100% केंद्रीय वित्त पोषण प्रदान किया गया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि संसाधन सीधे विकास पहल के लिए आवंटित किए जाते हैं।
- इसे उत्तर-पूर्व क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा।
- इस योजना को रुपये का प्रारंभिक आवंटन प्राप्त हुआ। केंद्रीय बजट 2022-23 में 1500 करोड़।
- 2022-23 से 2025-26 तक की 4 साल की अविध में, जो 15वें वित्त आयोग की अविध के शेष वर्षों के साथ संरेखित है, इस योजना का कुल पिरव्यय रु. 6,600 करोड़.

- The Union Ministry for the Ministry of Development of the North Eastern Region provided recent updates on the Prime Minister's Development Initiative for North Eastern Region (PM-DevINE).
- The PM-DevINE scheme as a Central Sector scheme, was introduced as a part of the Union Budget 2022-23.
- The Cabinet granted approval for the PM-DevINE scheme on 12th October 2022.
- It has been granted 100% Central funding, ensuring that resources are directly allocated to the development initiatives.
- It will be implemented by Ministry of Development of North-East Region.
- The scheme received an initial allocation of Rs. 1500 crore in the Union Budget 2022-23.
- Over the 4-year period from 2022-23 to 2025-26, which aligns with the remaining years of the 15th Finance Commission period, the scheme has an overall outlay of Rs. 6,600 crore.

13. किस वर्ष इंदिरा गांधी मातृत्व सहयोग योजना का नाम बदलकर प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) कर दिया गया?

In which year, Indira Gandhi Matritva Sahyog Yojana was renamed as Pradhan Mantri Matru Vandana Yojana (PMMVY)?

Ans: 2017

- 2017 में इंदिरा गांधी मातृत्व सहयोग योजना का नाम बदलकर प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) कर दिया गया।
- मूल रूप से, इसे 2010 में लॉन्च किया गया था।
- यह भारत सरकार द्वारा संचालित एक मातृत्व लाभ कार्यक्रम है।
- यह योजना महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की जाती है।
- विशेषताएँ /Features:
 - पात्र महिलाओं को रुपये का सीधा नकद हस्तांतरण प्राप्त होता है। 5,000 तीन किश्तों में (1,000; 2,000; 2,000).
 - मातृ स्वास्थ्य देखभाल में सुधार करें
- Indira Gandhi Matritva Sahyog Yojana was renamed Pradhan Mantri Matru Vandana Yojana (PMMVY) in 2017.
- Originally, it was launched in 2010.

- It is a maternity benefit program run by the government of India.
- The scheme is implemented by the Ministry of Women and Child Development.
- विशेषताएँ /Features:
 - O Eligible women receive a direct cash transfer of Rs. 5,000 in three installments (1,000; 2,000; 2,000).
 - O Improve maternal healthcare

14. आईभूमि और मैंग्रोव के संरक्षण के लिए विश्व पर्यावरण दिवस 2023 पर पीएम मोदी द्वारा शुरू की गई दो योजनाओं के नाम बताइए।

Name the two schemes, launched by PM Modi on World Environment Day 2023 to conserve wetlands and mangroves.

Ans: अमृत धरोहर और मिष्टी योजनाएँ /Amrit Dharohar and MISHTI schemes

- विश्व पर्यावरण दिवस 2023 पर, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत धरोहर और मिष्टी (तटरेखा आवास और मूर्त आय के लिए मैंग्रोव पहल) नाम से दो योजनाएं शुरू कीं।
- उद्देश्य: भारत की आर्द्रभूमियों और मैंग्रोवों को पुनर्जीवित और संरक्षित करना, हरित भविष्य और हरित अर्थव्यवस्था के अभियान में योगदान देना।
- केंद्र सरकार परियोजना लागत का 80% वहन करेगी, जबकि राज्य सरकारें शेष 20% का योगदान करेंगी।
- विश्व पर्यावरण दिवस 2023: 5 जून
- 2023 थीम: बीटप्लास्टिकपॉल्यूशन
- On World Environment Day 2023, PM Narendra Modi launched two schemes, namely Amrit Dharohar and MISHTI (Mangrove Initiative for Shoreline Habitats and Tangible Incomes).
- Aim: To revive and conserve India's wetlands and mangroves, contributing to the campaign for a green future and green economy.
- The central government will bear 80% of the project cost, while state governments will contribute the remaining 20%.
- World Environment Day 2023: 5th June
- 2023 theme: BeatPlasticPollution

15. किस मंत्रालय ने पीएम स्वनिधि योजना शुरू की है?

Which ministry has introduced the PM SVANidhi Scheme?

Ans: आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) /Ministry of Housing and Urban Affairs (MoHUA)

- आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) ने प्रधान मंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मिनर्भर निधि (PM SVANidi) योजना शुरू की है।
- यह 1 जून, 2020 को था।
- उद्देश्य: सड़क विक्रेताओं को अपने व्यवसायों को फिर से शुरू करने के लिए संपार्श्विक-मुक्त कार्यशील पूंजी ऋण की सुविधा प्रदान करना, जो कि COVID-19 महामारी से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुए थे।
- इस योजना के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:
 - पहले के ऋणों के पुनर्भुगतान पर क्रमशः दूसरे और तीसरे चरण में ₹20,000 और ₹50,000 के बढ़े हुए ऋण के साथ, 1 वर्ष की अवधि के ₹10,000 तक के संपार्श्विक-मुक्त कार्यशील पूंजी ऋण की सुविधा प्रदान करें।
 - प्रति वर्ष 7% की दर से ब्याज सब्सिडी के माध्यम से नियमित पुनर्भुगतान को प्रोत्साहित करें
 - ० प्रति वर्ष ₹1,200 तक कैशबैक के माध्यम से डिजिटल लेनदेन को पुरस्कृत करें
- The <u>Ministry of Housing and Urban Affairs (MoHUA)</u> has launched Prime Minister Street Vendor's Atma Nirbhar Nidhi (PM SVANidhi) Scheme.
- It was on June 1, 2020.
- Aim: To facilitate collateral-free working capital loans to street vendors to restart their businesses, which were adversely impacted by the COVID-19 pandemic

The scheme has the following objectives:

- O Facilitate collateral-free working capital loan up to ₹10,000, of 1 year tenure, with an enhanced loan of ₹20,000 and ₹50,000 in the second and third tranches respectively, on repayments of earlier loans
- O Incentivize regular repayment, through interest subsidy @ 7% per annum
- O Reward digital transactions, by way of cashback up to ₹1,200 per year